

## ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष ने दायर की याचिका, SIR पर राहुल गांधी ने छेड़ी कानूनी जंग

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। राहुल गांधी और INDI ब्लॉक के नेताओं ने CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में राहुल गांधी मुख्य याचिकाकर्ता हैं। वहीं उनके साथ अन्य नेताओं का नाम भी शामिल है। CJI सूर्यकांत द्वारा उनसे मिलने से इनकार करने और कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए कहने के कुछ घंटों बाद, INDI गठबंधन के सुप्रीम कोर्ट तक मार्च के दौरान हजारों कांग्रेस समर्थकों ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का साथ दिया। भारी भीड़ के चलते राहुल गांधी समय सीमा से पहले सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंच पाए, इसलिए वकील एस. प्रसन्ना से उनका याचिका दायर की है। राहुल गांधी को 4.30 बजे तक सुप्रीम कोर्ट पहुंचना था। विपक्ष

की ओर से दायर की गई याचिका में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, सौगत राय, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, संजय राउत, एम. ए. बेबी, डी. राजा, महूआ माझी, सुप्रिया सुले और ई. टी. मोहम्मद बशीर याचिकाकर्ता हैं। इस याचिका में मुख्य याचिकाकर्ता राहुल गांधी हैं। याचिका दायर करने से पहले राहुल गांधी और INDI ब्लॉक नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। इस मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, राजद नेता तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव और नेताओं के समर्थक मौजूद रहे। इस मार्च को प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने लीड किया। इस मार्च में नेताओं के अलावा बड़ी संख्या में छात्र संगठन और वकील भी शामिल हुए। मार्च से पहले राहुल गांधी ने इसे



शिव की बारात बताया था। और कहा था कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मार्च में शामिल हों। विपक्ष के मार्च में शामिल होने पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, देश तभी बचेगा जब बीजेपी को हटाया जाएगा। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरु ने मार्च के दौरान कहा, लोकतंत्र की रक्षा किसी भी राजनीति से ऊपर है। नागरिकों से उनके वोट देने का अधिकार छीन लिया गया है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और INDI गठबंधन के अन्य नेता बस में सवार होकर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इकट्ठा हुए और सुप्रीम कोर्ट तक मार्च शुरू करने के लिए आगे बढ़े। विपक्षी नेता एक ट्रक पर सवार होकर भी आगे बढ़े। ट्रक पर राहुल

के साथ तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी, दीपेंद्र हुड्डा और अन्य INDI ब्लॉक नेता रहे। वहीं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की ओर पैदल मार्च भी किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद रहे। बता दें कि विपक्ष ने रविवार को मार्च के बाद सीजेआई सूर्यकांत से मिलने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने विपक्षी नेताओं से मिलने से इनकार कर दिया था। सीजेआई ने विपक्ष से याचिका दाखिल करने के लिए कहा था। सोमवार को सीजेआई सूर्यकांत ने विपक्षी नेताओं से मिलने से इनकार करने पर कहा, मुझे क्लब बैठक के अनुरोध के संबंध में एक पत्र मिला था, और मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया था।

## 'भारत में नेपाल-बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने की कोशिश', हरीश साल्वे बोले- अशांति भड़काने में विदेशी ताकतों की भूमिका

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे ने कहा है कि विरोध के अधिकार के नाम पर भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें भारत में व्यापक जन-विद्रोह के कोई संकेत नहीं दिखते। उन्होंने दावा किया कि अशांति भड़काने में विदेशी ताकतों की भूमिका हो सकती है। साल्वे ने सोमवार को एक साक्षात्कार में कहा कि विरोध प्रदर्शनों की कुछ गतिविधियों के लिए विदेशी धन मुहैया कराया जा रहा है। कुछ समूह भारत सरकार को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने प्रदर्शनों के लिए धन के स्रोतों पर भी सवाल उठाया। पड़ोसी देशों में राजनीतिक घटनाक्रमों से तुलना करते हुए उन्होंने क्षेत्र में उथल-पुथल में बाहरी ताकतों की भूमिका पर सवाल उठाए।



उन्होंने कहा, क्या इस बात में कोई संदेह है कि नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उथल-पुथल के पीछे कौन था? शेख हसीना को किसने हटाया और वहां नए प्रधानमंत्री को कौन लेकर आया? मेरी राय में इन घटनाओं के पीछे बाहरी ताकतें थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले छह से आठ महीनों के घटनाक्रम से सरकार के कामकाज में बाधा डालने की कोशिशों का एक सिलसिला दिखाता है। छह से आठ महीनों में स्पष्ट पैटर्न उभरा है। ये समूह मोदी

सरकार को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। साल्वे ने कहा कि सरकार को विदेशी वित्तपोषण के आरोपों की जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए। साल्वे का तर्क था कि जब लोग किसी मुद्दे से जुड़ते हैं, तो वास्तविक जनादोलनों को समर्थन मिलता है। भारत में दीपक, सौरव दास व कुछ यूट्यूबर्स सहित कुछ लोग प्रदर्शनों के नेता बनकर सामने आए। कुछ लोग जर्मनी व दूसरे देशों में रहते हैं और यहां नेता बनते हैं। उन्हें पैसा कहाँ से मिलता है? उन्होंने डिजिटल मंचों के जरिये भ्रामक नैरेटिव फैलाने पर भी चिंता जताई। इनमें यूट्यूब वीडियो, रील्स और छोटे संदेश शामिल हैं। साल्वे ने कहा कि उनके आकलन में व्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश करने वाले आंदोलनों से निपटना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्हें नहीं लगता कि यह आंदोलन लंबे समय तक चलेगा।

## जगह बदलने से सरकार नहीं बचेगी, जंतर-मंतर को धरना स्थल के रूप में डिनोटिफाई करने पर बोले अखिलेश यादव

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष का विरोध जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने सप्ताहवारी भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी गड़बड़ियों का आरोप लगाया और कहा कि विरोध प्रदर्शन की जगह बदलने से सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं पाएगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर INDIA गठबंधन के विरोध मार्च के दौरान मोडिया से बात करते हुए, यादव ने BJP पर चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता बनाए रखने के लिए चुनावी गड़बड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने एएनआई से कहा कि विरोध और धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। लोकतंत्र को



बचाना हमारी जिम्मेदारी है। भारतीय जनता पार्टी संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत कर रही है। वे हमेशा सत्ता में बने रहना चाहते हैं। वे फर्जी वोट बनाते हैं, फर्जी वोट डालते हैं और फर्जी चुनाव नतीजे तैयार करते हैं। SP प्रमुख ने कहा कि विपक्षी गठबंधन कथित गड़बड़ियों को दूर करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए सभी कानूनी और व्यावहारिक

कदम उठाएगा। उन्होंने कहा जो भी कानूनी और व्यावहारिक तरीके होंगे, हम उन्हें अपनाएंगे। यादव ने सरकार से अपनी कथित नाकामियों को मानने और चुनाव आयोग के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा, और जोर दिया कि विपक्ष की चिंताओं को सुना जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा हमारी आवाज उन तक पहुंचनी चाहिए। सरकार सुनना क्यों नहीं चाहती? सरकार गलत है। सरकार को सुनना चाहिए और चुनाव आयोग को हटाना चाहिए। यह सभी की भलाई और लोकतंत्र की भलाई के लिए है। BJP को अपनी गलती माननी चाहिए और चुनाव आयोग को हटाना चाहिए। विरोध स्थल बदलने से समस्या हल नहीं होगी, और इससे सरकार अपनी चोरी से बच नहीं पाएगी।

पुंछ, 10 अक्टूबर। पुंछ जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास घुसपैठ की कोशिश करते समय कम से कम चार आतंकवादी लैंडमाइन धमाके में मारे गए। सुबह लगभग 4:30 बजे, आतंकवादियों ने पाकिस्तानी तरफ से लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पार करके भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि आतंकवादी भारतीय सीमा के पास IED लगाने की कोशिश कर रहे थे। इस कोशिश के दौरान, वे भारतीय सेना के घुसपैठ-रोधी घेरे (एंटी-इन्फिल्ट्रेशन ग्रिड) की चपेट में आ गए, जिससे चार आतंकवादियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह घटना हाजीरा सेक्टर के बदरपुर इलाके में हुई। जानकारी के अनुसार, इस



इलाके में पाकिस्तान सेना की 66 फ्रंटियर फोर्स तैनात है, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (POJK) का हिस्सा है। आतंकवादी पाकिस्तान सेना की मदद या उनकी आड़ में IED लगाने की कोशिश कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह लगभग 4:30 बजे घटी जब आतंकवादियों के एक समूह ने

पाकिस्तानी तरफ से नियंत्रण रेखा (LoC) पार करके भारतीय इलाके में प्रवेश करने की कोशिश की। शुरूआती रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि ये आतंकवादी भारतीय सीमा के बिल्कुल पास इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) लगाते की फिराक में थे। एंटी-इन्फिल्ट्रेशन ग्रिड की पकड़: भारतीय इलाके की तरफ

बढ़ते समय वे भारतीय सेना द्वारा बिछाए गए मजबूत घुसपैठ-रोधी घेरे (एंटी-इन्फिल्ट्रेशन ग्रिड) और लैंडमाइन की चपेट में आ गए। इसके बाद हुए जोरदार धमाके में चारों आतंकवादी मौके पर ही मारे गए। यह घटनाक्रम सोमवार को कृष्णा घाटी सेक्टर में जीरो लाइन के पास सतवाल-नाकी इलाके में हुए एक धमाके के बाद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, LoC के पाकिस्तान की तरफ लोगों के एक समूह की आवाजों की दौरेन एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) में धमाका हुआ। उस समय हताहतों की खबर मिली थी, लेकिन मारे गए या घायल लोगों की सही संख्या तुरंत पता नहीं चल पाई थी। अधिकारियों ने कहा था कि यह स्पष्ट नहीं था कि समूह में LoC पार करने

की कोशिश कर रहे संदिग्ध आतंकवादी थे या इलाके में गश्त कर रहे पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी। धमाके की वजह बनी परिस्थितियों का भी अभी पता नहीं चल पाया था। धमाके के बाद, सुरक्षा बलों ने पूरे सेक्टर में अलर्ट जारी कर दिया और स्थिति का जायजा लेने और सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए LoC पर निगरानी बढ़ा दी। सोमवार को एक अलग घटनाक्रम में, सेना के जवानों ने मेंडर सेक्टर के बसों की चलाई धमाके के पास दो जंग लगी लैंडमाइन का पता लगाया। ये विस्फोटक क्रमशः सुबह 8.25 बजे और दोपहर 12.10 बजे ट्रक के काम के दौरान देखे गए। बाद में सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित धमाकों में दोनों डिवाइस को नष्ट कर दिया।

## देश में अस्थिरता और अराजकता फैला रहे हैं राहुल गांधी: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी की हरकतें संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने के मकसद से की जा रही हैं। बीजेपी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा कि देश ने विपक्ष के किसी नेता की ओर से कभी भी इस तरह की नैतिक और बचकानी हरकतें नहीं देखीं। उन्होंने गांधी को अस्थिरता फैलाने वाला, अराजकतावादी और गैर-गंभीर करार दिया। वोट चोरी के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने दावा किया कि कांग्रेस नेता जनता के जनदेश को चुनौती दे रहे हैं।



अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी एक हवा-हवाई नेता हैं। उनकी राजनीति का पूरा तरीका ही हवा-हवाई है - खोखले बयान, बेबुनियाद आरोप, खोखले काम, खोखले विरोध और खोखले तथ्य। ठाकुर ने आरोप लगाया कि गांधी बार-बार चुनाव आयोग, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) और मुख्य चुनाव आयुक्त समेत अलग-अलग संस्थाओं पर दोष मढ़ते रहते हैं।

## प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर बनेगा विकसित भारत-2047 का प्रमुख ग्रोथ इंजन: ज्योतिरादित्य सिंधिया

आइजॉल/गुवाहाटी/नई दिल्ली, 12 अक्टूबर। केंद्रीय संघर्ष एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सोमवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर मिजोरम की राजधानी आइजॉल पहुंचे। इस दौरे के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा के साथ राज्य में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं

शिलान्यास करेंगे। सिंधिया के दौरे के दौरान मिजोरम को लगभग 320 करोड़ की लागत वाली 10 विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री नॉर्थ ईस्ट बैंकर्स कॉन्क्लेव 3.0 का उद्घाटन भी करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना, उद्यमियों के लिए ऋण की उपलब्धता को सुदृढ़ करना तथा

क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को साकार करना है। आइजॉल पहुंचने पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मिजोरम के साथ उनका व्यक्तिगत रूप से बहुत पुराना संबंध रहा है और यहां दोबारा आना उनके लिए सुखद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पूर्वोत्तर को देश की



अष्टलक्ष्मी के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्वोत्तर के आठों राज्य विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सिंधिया ने कहा कि उनके इस दौरे का स्पष्ट उद्देश्य विकास परियोजनाओं को गति देना, आधारभूत संरचना का विस्तार करना और क्षेत्र की आर्थिक क्षमता को मजबूत करना है। राज्य में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि वर्ष 2025 में आयोजित राइजिंग नॉर्थ ईस्ट

इन्वेस्टर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इन प्रस्तावों में मिजोरम के लिए भी महत्वपूर्ण निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने के लिए उद्यमियों को वित्तीय सहायता और क्तिफायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराना आवश्यक है। बैंकिंग क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी से निवेश की संभावनाओं को साकार करने और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति देने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट

बैंकर्स कॉन्क्लेव 3.0 के माध्यम से वित्तीय सेवा विभाग और बैंकिंग क्षेत्र के सहयोग से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा स्थानीय उद्यमियों के लिए ऋण की उपलब्धता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य उद्यमियों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना, नए व्यवसायों को प्रोत्साहित करना और क्षेत्र में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करना है। ऋण सुविधाओं की बेहतर उपलब्धता से स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के नए अवसर विकसित होंगे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दोहराया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास और प्रगति के स्पष्ट एजेंडे के साथ मिजोरम पहुंचे हैं। इस दौरे के माध्यम से राज्य में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, विकास परियोजनाओं को गति देने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जाएंगे।

**TIWARI'S SARASWATI CLASSES**  
— Since 1992 —  
*Parents' First Choice for 34+ Years*  
Prof. Dr. Dayanand Tiwari  
Founder & Academic Director

**ADMISSIONS OPEN**  
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE  
NEET | JEE | MHT-CET

**10 DAYS FREE DEMO**  
Attend Classes • Experience Our Teaching  
Take Admission After Satisfaction  
(No Hidden Conditions)

- ✓ 34+ Years of Academic Excellence
- ✓ Experienced & Dedicated Faculty
- ✓ Personal Attention
- ✓ Printed Notes & Regular Tests
- ✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

♥ Santacruz Branch  
101 Sai Chambers,  
Opp. Santacruz Railway Station (East),  
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055

♥ Sion Branch  
Opp. SIES College (Old),  
Near Gurukripa Hotel,  
Sion (West), Mumbai

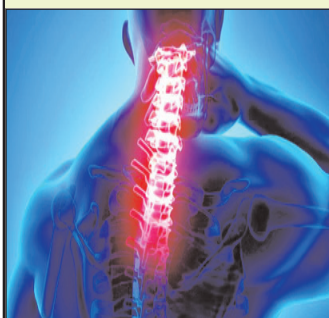
— Limited Seats / Small Batch Size —  
**CALL NOW:**  
**7738007373**



**DAKS REHAB CENTRE**  
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)  
**Contact us: 9820519851**

**विल्डिंग नंबर 3, फ्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37**

- \* **Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre**
- \* **बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था**
- \* **वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध**
- \* **DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें**
- \* **NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना**
- \* **चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध**
- \* **एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध**
- \* **पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर**
- \* **मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक**
- \* **विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध**
- \* **मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध**







**Multi Solutions**

**WHAT WE DO ?**

**COMPUTER & CCTV**

- Laptop, Desktop, CCTV, Sales Service & Rental
- Networking
- Software Installation
- Data Recovery
- Antivirus

**SMART AUTOMATION**

- Automation
- Biometric
- Smart Home App Control
- All Type of Electric Work

Shop No13, First Floor, Zahoor Nagar, Mustafa Market, Near Behmani Hotel, Kherani Road, Sakinaka, Andheri (E), Mumbai - 400072.

**Mithun Prajapati**  
☎ +91 9220 555 717

## आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो



–ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवन्तता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उतेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन को छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनआंदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक लक्ष्यों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता के दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएँ, चुनौती सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएँ, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकार तत्काली कृत्रिम कि पण्डित किये निर्माण लागते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएँ, चुनौती सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएँ, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह व्यापारिक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आक्रोशओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता।

अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीव्र प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विश्व रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मर्यादा के समन्वय में खोजा जाए।

# एक देश, एक राशन कार्ड तो हुआ; लेकिन 'एक देश, सुरक्षित सफर' कब?



अशोक भाटिया

भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे लोकतांत्रिक देश में जब नीतिगत सुधारों की ढोल-मगाड़ों के साथ घोषणा की जाती है, तो अक्सर 'एक देश, एक विधान' या 'एक देश, एक राशन कार्ड' जैसे नारे राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आ जाते हैं। निश्चित रूप से, 'एक देश, एक राशन कार्ड' योजना ने देश के करोड़ों प्रवासी मजदूरों को यह सुरक्षा दी है कि वे देश के किसी भी कोने में रहकर अपने हिस्से का अनाज सम्मानपूर्वक पा सकें। यह एक सराहनीय कदम था, जिसने प्रशासनिक सीमाओं को तोड़कर एक गरीब नागरिक को उसकी पहचान और बुनियादी हक दिया। लेकिन ठीक इसी समय एक और बुनियादी, मानवीय और बेहद संवेदनशील सवाल देश की सामूहिक चेतना और नीति निमाताओं के सामने मुंह बाए खड़ा है कि यदि इस देश का श्रमिक किसी भी राज्य में जाकर राशन पा सकता है, तो वह उसी देश में एक राज्य से दूसरे राज्य के बीच सुरक्षित, सुगम और सम्मानजनक सफर क्यों नहीं कर सकता? 'एक देश, सुरक्षित सफर' की अवधारणा आजादी के

आठवें दशक में भी एक दूर की कौड़ी क्यों बनी हुई है? यह सवाल किसी एक राज्य, एक शहर या किसी एक विशिष्ट रूट का नहीं है, बल्कि यह एक गहरा और निरंतर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। हर साल जब देश अक्टूबर और नवंबर के महीनों में कदम रखता है, जब त्योहारों की एक लंबी श्रृंखला-दुर्गा पूजा, दिवाली, छठ महापर्व और इसके ठीक बाद शुरू होने वाला शादियों का राष्ट्रीय सीजन –पूरे देश को उल्लास से सराबोर कर रहा होता है, तब देश के सभी बड़े महानगर किसी उत्सव के केंद्र नहीं, बल्कि एक मानवीय त्रासदी और प्रशासनिक विफलता के युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो जाते हैं। यह केवल मुंबई से उत्तर प्रदेश या बिहार जाने वाले श्रमिकों की पीड़ा नहीं है। यह उतनी ही बड़ी और कड़वी हकीकत दिल्ली के आनंद विहार, बेंगलुरु के यरवतपुर, चेन्नई के सेंट्रल स्टेशन, सूरत के उधना और हैदराबाद के सिकंदराबाद स्टेशनों की भी है, जहां से लाखों की संख्या में प्रवासी मजदूर अपने पैतृक घरों यानी बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड , राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए निकलते हैं। इन स्टेशनों पर लगने वाली कतारें, भीड़, और प्लेटफॉर्मों पर मची अफरा-तफरी किसी आधुनिक और आर्थिक महाशक्ति बने की राह पर अग्रसर भारत की तस्वीर नहीं, बल्कि तंत्र की घोर संवेदनहीनता और नीतिगत दिवालियापन का सबसे जीवंत और डरावना दस्तावेज प्रस्तुत करती है।

इस राष्ट्रीय संकट की भयावहता को समझने के लिए हमें उस आर्थिक

रीढ़ को देखना होगा जिसे हम 'प्रवासी श्रमशक्ति' कहते हैं। देश के बड़े मेट्रो शहर –चाहे वह दक्षिण का बेंगलुरु और चेन्नई हो, पश्चिम का मुंबई और सूरत हो, या उत्तर की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हो–इन सब का बुनियादी ढांचा, इनका निर्माण क्षेत्र, इनकी फैक्ट्रियां, इनकी लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी सेवाएं पूरी तरह से इन्हीं प्रवासियों के पसीने पर टिकी हैं। ये वही श्रमिक हैं जिन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान पैदल चलकर हाईवे पर अपनी बेबसी दर्ज कराई थी, और आज 2026 में भी, स्थिति में कोई गुणात्मक सुधार नहीं आया है। जब देश की जोड़ीपी में इनका योगदान



सर्वोपरि है, तो राष्ट्रीय स्तर पर उनके 'सुरक्षित और सम्मानजनक आवागमन' के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय प्रवासन पारगमन नीति का अभाव क्यों है? हर साल रेलवे प्रशासन यह दावा करता है कि उसने सैकड़ों या हजारों 'फेस्टिवल स्पेशल' ट्रेनें चलाई हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये विशेष ट्रेनें मांग की तुलना में समुद्र में एक बूंद के समान साबित होती हैं। जब नई दिल्ली या सूरत के उधना स्टेशन पर एक अनारक्षित (जनरल) ट्रेन आती है, तो उसमें चढ़ने के लिए होने वाली जड़ोजहद किसी जीवन-मरण के संघर्ष जैसी होती है। खिड़कियों से बच्चों को अंदर फेंकना, दरवाजों पर लटकना, और पुलिस की

# वैष्णो देवी : जहां कण-कण में शक्ति, हर सांस में मां का एहसास



–सुरेश गांधी

हिमालय की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं के बीच त्रिकूट पर्वत पर स्थित माता वैष्णो देवी का धाम भारतीय आध्यात्मिक चेतना का ऐसा केंद्र है, जहां श्रद्धा केवल पूजा की परंपरा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समर्पण और आंतरिक शक्ति की अनुभूति बन जाती है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में कटरा से शुरू होने वाली यह यात्रा हजारों-लाखों श्रद्धालुओं के लिए जीवन की विशेष साधना है। कोई मनोकामना लेकर यहां पहुंचता है, कोई संकट से मुक्ति की प्रार्थना करता है तो कोई केवल उस दिव्य अनुभूति को पाने के लिए पर्वत की कठिन चढ़ाई तय करता है, जिसे भक्त मां का बुलावा कहते हैं। इस पवित्र धाम की सबसे विश्लक्षण विशेषता यह है कि यहां देश के दूसरे अनेक देवी मंदिरों की तरह देवी की सुसज्जित मानवाचार प्रतिमा के दर्शन नहीं होते। पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से प्रकट तीन पिंडियां ही माता के दिव्य स्वरूप का प्रतीक हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इनमें महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की शक्तियां समाहित हैं। तीनों का सामूहिक स्वरूप माता वैष्णो देवी के रूप में पूजित है। यहां दर्शन का अर्थ केवल किसी प्रतिमा के सामने शीश झुकना नहीं, बल्कि जीवन में शक्ति, समृद्धि और विवेक के संतुलन को स्वीकार करना भी है। महाकाली अन्‍याय और भय से लड़ने का साहस देती हैं, महालक्ष्मी जीवन को समृद्धि और संतुलन का संदेश देती हैं, जबकि महासरस्वती ज्ञान, विवेक और सृजनशीलता की प्रेरणा हैं।

आध्यात्मिक दृष्टि से इन तीनों शक्तियों का एक साथ विराजमान होना मनुष्य को बताता है कि केवल इच्छा से जीवन नहीं बदलता; उसके लिए ज्ञान, साहस और कर्म भी आवश्यक हैं। गुफा में प्रतिमा नहीं, प्रकृति के बीच प्रकट शक्ति का प्रतीक माता वैष्णो देवी के दर्शन का सबसे बड़ा आकर्षण पवित्र गुफा में स्थित तीन प्राकृतिक पिंडियां हैं। मान्यता है कि ये तीनों आदिशक्ति के

# समाजवाद और डॉ लोहिया

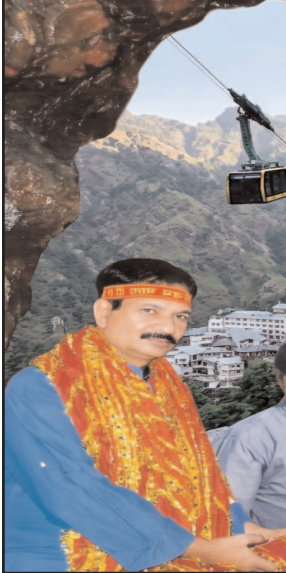
–लालशेखर सिंह
समाजवाद एक ऐसा विषय जिसे सिर्फ जिया एक शख्स ने और अब उसके नाम पे सिर्फ राजनीति बची है,

अलग-अलग स्वरूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इनके दर्शन के लिए श्रद्धालु लंबी यात्रा करते हैं, लेकिन दर्शन का क्षण आते ही पर्वत की थकान, रास्ते की कठिनाइयां और प्रतीक्षा की बेचैनी पीछे छूट जाती हैं। यहां श्रद्धालु देवी के किसी मानवीय आकार की कल्पना में नहीं, बल्कि प्रकृति में प्रकट दिव्य सत्ता के प्रति श्रद्धा में डूब जाते हैं। यही इस तीर्थ की विशिष्टता है। गुफा की सीमित जगह, प्राकृतिक शिलारूप और दर्शन की निरंतर चलने वाली व्यवस्था इसे अन्य अनेक मंदिरों से अलग पहचान देती है। धार्मिक आस्था में पिंडियों को केवल तीन अलग-अलग प्रतीकों के रूप में नहीं देखा जाता। उनका संयुक्त स्वरूप एक ऐसी शक्ति का बोध कराता है, जिसमें सृजन, संरक्षण और परिवर्तन की संभावनाएं एक साथ विद्यमान हैं। जीवन में जब विवेक, समृद्धि और साहस एक-दूसरे के पूरक बनते हैं, तभी मनुष्य कठिन परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम होता है। माता वैष्णो देवी की महिमा का यही व्यावहारिक पक्ष भी है। श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं, लेकिन यात्रा का अनुभव उन्हें धैर्य, अनुशासन, सहनशीलता और सामूहिकता का पाठ भी पढ़ाता है।

मां वैष्णो देवी का दरबार केवल एक तीर्थ नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और आत्मबल का केंद्र है। त्रिकूट पर्वत पर विराजमान मां के दरबार की यात्रा में यह अनुभूति साकार हुई। मतलब साफ है माता वैष्णो देवी का बुलावा हो तो कठिनाइयां भी रास्ता नहीं रोक पातीं। हादसे में सीने में गंभीर चोट के कारण चलना मुश्किल था, वहीं साथ चल रहे भतीजे शिवांश जायसवाल की जांच की हड्डी टूटने के बाद ऑपरेशन हुआ था। पत्नी, बहन, बेटी सेजल और बेटे साहिल के साथ सांसद प्रोटोकॉल के तहत हेलीकॉप्टर से पहुंचे, लेकिन दरबार तक करीब दो किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। मां के दर्शन की उम्कंठा ऐसी कि कदम बढ़ते गए और दर्द का अहसास पीछे छूटता गया। दरबार में बेहद ठंडे पानी से स्नान और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मन को अद्भुत शांति मिली। वहां मौजूद पुजारी ने महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के प्रतीक तीन पिंडियों की महिमा बताई। सामने पिंडियों के दर्शन करते हुए ऐसा आभास हुआ, मानो वे बिना किसी सहारे विराजमान हों। वह दृश्य मन में गहरी छाप छोड़ गया। शारीरिक कठिनाइयों के कारण भैरवनाथ के दर्शन नहीं हो सके। वापसी में हेलीकॉप्टर का विकल्प छोड़ पैदल उतरने का निर्णय लिया। पैरों में सूजन के चलते डल झील और पूष्प वाटिका देखने के बाद शंकरजी के दर्शन के लिए आगे नहीं जा पाए। कुछ अधूरी इच्छाओं के बावजूद मन मां की कृपा के भाव से भरा रहा। इस यात्रा ने विश्वास और आत्मबल को नई अनुभूति दी। अब प्रतीक्षा है मां के अगले बुलावे की—क्योंकि भक्त के लिए दरबार की राह वहीं खुलती है,

पंडित श्रीधर की भक्ति से जुड़ी है धाम के प्रकटय की कथा
माता वैष्णो देवी की प्रसिद्ध लोकपरंपरा में पंडित श्रीधर का प्रसंग विशेष स्थान रखता है। कहा जाता है कि कटरा के निकट हंसाली गांव में रहने वाले श्रीधर माता के अनन्य भक्त थे। वे साधनहीन थे, लेकिन उनकी श्रद्धा अटूट थी। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर माता ने एक दिव्य कन्या के रूप में उन्हें दर्शन दिए। लोककथा के अनुसार, उस कन्या ने श्रीधर से भंडारा गांवो्जित करने को कहा। श्रीधर ने यात्रा और आसपास के लोगों को आमंत्रित किया। साधारण संसाधनों वाले श्रीधर के लिए इतने बड़े आयोजन की

समाजवादी पूरे हक से कहते है कि हम समाजवादी है, उनमें में से क्या किसी को यह भी पता है कि समाजवाद क्या है क्या है उसकी परिभाषा, समाजवाद क्या होता है, जिसके कथनी और करनी दोनों में समाजवाद की झलक मिलती थी ऐसे व्यक्ति थे डॉ राम मनोहर लोहिया।
डॉ लोहिया की शख्सियत परिचय की मोहताज नहीं है। कोई भी समाजवादी या गांधी की हकी घर नहीं, परिवार नहीं, न कोई पूंजी, न ओहदा। देश के प्रधानमंत्री पंडित



व्यवस्था करना असंभव प्रतीत होता था। फिर भी उन्होंने माता के वचन पर विश्वास किया। भंडारे में भैरवनाथ भी पहुंचे। उन्होंने भोजन में मांस और मदिरा की मांग की, जिसे श्रीधर ने स्वीकार नहीं किया। जब आयोजन की सफलता पर संकट मंडराने लगा, तब दिव्य कन्या ने श्रीधर को आश्चस्त किया कि वे चिंता न करें। लोकमान्यता के अनुसार, भंडारा सफलतापूर्वक

लाठियां खाना इन श्रमिकों की नियति बन चुकी है। ट्रेन के भीतर सामान्य क्षमता से चार से पांच गुना अधिक लोग दुंसे होते हैं, जहां शौचालय के फर्श से लेकर समान रखने वाले रैक तक पर इसानी जिस्म लदे होते हैं। कई बार इस अत्यधिक भीड़ के कारण दम घुटने से या प्लेटफॉर्म पर मची भगदड़ में लोग अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। क्या एक लोकतांत्रिक देश में अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने या किसी सामाजिक विवाह कार्य में शामिल होने की इच्छा रखने वाले नागरिक को यह न्यूनतम सुरक्षा भी नहीं मिलनी चाहिए कि वह बिना अपनी जान जोखिम में डाले सफर कर सके?

विडंबना का सबसे तीखा पहलू यह है कि एक तरफ हमारा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर 'वंदे भारत', 'अमृत भारत' और 'बुलेट ट्रेन' जैसी प्रीमियम, अत्याधुनिक और हाई-स्पीड ट्रेनों का जाल बिछाने पर अरबों रुपये खर्च कर रहा है, जो निश्चित रूप से देश के एक खास वर्ग और प्रगति के लिए आवश्यक है, लेकिन दूसरी तरफ उसी इंफ्रास्ट्रक्चर के भीतर सामान्य जनरल डिब्बों की संख्या लगातार कम होती जा रही है या वे जस की तस बनी हुई हैं। रेलवे के आधुनिकीकरण के इस दौर में सबसे निचला पायदान यानी आम भारतीय नागरिक पूरी तरह से उपेक्षित छोड़ दिया गया है। जब तत्काल और नियमित आरक्षण खिड़कियां खुलती हैं, तो आईआरसीटीसी के डिजिटल सर्वर पर कुछ ही सेकंड के भीतर सीटें 'नो रूम' या सैकड़ों की वेटिंग लिस्ट में बदल जाती हैं। इस डिजिटल दीवार

को पार करना एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे मजदूर के लिए असंभव होता है, जिसका सीधा फायदा टिकटों की कालाबाजारी करने वाले दलालों का एक संगठित राष्ट्रीय सिंडिकेट उठाता है। जो मजदूर दिन में चार सौ या पांच सौ रुपये कमाता है, उसे एक कन्फर्म टिकट के लिए अपनी महीनों की कमाई दलालों के हवाले करनी पड़ती है। और जब रेलवे से भी बात नहीं बनती, तो निजी परिवहन माफिया के रूप में एक और शोषण का चक्रव्यूह तैयार मिलता है। दिल्ली से पटना, सूरत से गोरखपुर, या बेंगलुरु से भुवनेश्वर के रूटों पर चलने वाली निजी बसों के किराए त्योहारों के सीजन में चार से पांच गुना तक बढ़ा दिए जाते हैं। दो हजार का टिकट दस हजार तक बिकता है, और राज्य परिवहन विभाग मूकदर्शक बने केवल कागजी चेतावनियां जारी करते रहते हैं। यह एक तरह की खुली और संगठित डकैती है जो हर साल देश के सबसे गरीब तबके की जेब पर डाली जाती है।

यह संकट सिर्फ प्रशासनिक विफलता का नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक बेरुखी का भी है। देश के जिन राज्यों से बड़े पैमाने पर पलायन होता है, जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश या ओडिशा, वहां की सरकारें अपने नागरिकों को रोजगार देने में विफल रहने के बाद उन्हें दूसरे राज्यों में भेज तो देती हैं, लेकिन जब उनके इन्हीं नागरिकों पर संकट आता है, तो वे केंद्र या दूसरे राज्यों पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ लेती हैं। वहीं दूसरी तरफ, जिन राज्यों में वे प्रवासी जाकर काम करते हैं, वहां के क्षेत्रीय

राजनीतिक दल चुनाव के समय तो इनके तुष्टिकरण के लिए 'प्रवासी प्रकोष्ठ' बनाते हैं, लेकिन संकट का समय इन्हें बाहरी या दोयम दर्जे का नागरिक मानकर छोड़ दिया जाता है। इस राष्ट्रीय विरोधाभास का अंत होना बेहद जरूरी है। यदि हम सचमुच 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का दावा करते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि देश के किसी भी नागरिक की गतिशीलता और उसका सुरक्षित सफर उसके मौलिक अधिकारों का हिस्सा है। केंद्र सरकार को एक ऐसी पारदर्शी और गतिशील राष्ट्रीय यात्रा प्रबंधन प्रणाली विकसित करनी होगी, जो त्योहारों और शादियों के सीजन के डेटा का अग्रिम विश्लेषण करके, मांग के अनुरूप पर पलायन के फेरे और जनरल कोचों की संख्या को वास्तविक रूप से बढ़ा सके। तत्काल टिकट प्रणाली को दलालों से मुक्त करने के लिए सुर्खा ऑडिट और कड़े कानूनी कदम उठाने होंगे। साथ ही, विभिन्न राज्यों के परिवहन निगमों को मिलकर अंतर-राज्यीय रूटों पर सस्ती और सुरक्षित बस सेवाएं चलानी होंगी ताकि निजी ऑपरेटरों की लूट पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। जब तक हम अपने देश के श्रमिकों के भेड़-बंदीकरणों की तरह सफर करने पर मजबूर करते रहेंगे, तब तक हमारे चमकते हुए स्टेशनों, आधुनिक ट्रेनों और डिजिटल इंटरिया के बड़े-बड़े दावे पूरी तरह से खोखले, बेमानी और एक क्रूर उपहास प्रतीत होते रहेंगे। भारत की आत्मा इन प्रवासियों के सुरक्षित सफर और उनकी गरिमा में बसती है, और तंत्र की अब अपनी आंखें खोलनी ही होंगी।

# वैष्णो देवी : जहां कण-कण में शक्ति, हर सांस में मां का एहसास

भवन में माता की पवित्र गुफा के दर्शन के बाद श्रद्धालु भैरवनाथ के दरबार तक जाते हैं। इन पड़वां की विशेषता केवल उनका धार्मिक महत्व नहीं है। कठिन चढ़ाई के बीच वे श्रद्धालुओं को रुकने, विश्राम करने और फिर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी देते हैं। यात्रा का यह क्रम मानो मनुष्य को बताता है कि लक्ष्य तक पहुंचने के लिए धैर्य और निरंतरता दोनों जरूरी हैं।

आस्था का अंतिम अर्थ है भीतर की शक्ति को पहचानना
माता वैष्णो देवी की यात्रा की लोकप्रियता के पीछे केवल चमत्कारों और मनोकामनाओं की लोककथाएं नहीं हैं। इसके केंद्र में वह विश्वास है, जो मनुष्य को कठिन समय में भी उम्मीद बनाए रखने की प्रेरणा देता है। तीन पिंडियों का संयुक्त स्वरूप इस विश्वास को गहरा अर्थ देता है। महाकाली हमें निर्भयता, महालक्ष्मी संतुलन और समृद्धि तथा महासरस्वती विवेक और ज्ञान का संदेश देती हैं। इन तीनों गुणों का समन्वय ही जीवन को सार्थक बनाने की दिशा दिखाता है। भैरवनाथ की कथा बताती है कि अहंकार का अंत और पश्चाताप का स्वीकार मनुष्य को मुक्ति की ओर ले जा सकता है। पंडित श्रीधर का प्रसंग सिखाता है कि संसाधनों की कमी के बावजूद श्रद्धा और संकल्प से कठिन परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है। बाणगंगा से भवन तक की यात्रा धैर्य, अनुशासन और निरंतर प्रयास की महता समझाती है। इसलिए माता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचना केवल एक धार्मिक स्थल तक पहुंचना नहीं है। यह अपने भीतर के भय को पीछे छोड़ने, विश्वास को मजबूत करने और जीवन की चुनौतियों के सामने फिर से खड़े होने की प्रेरणा पाने का अवसर भी है। त्रिकूट पर्वत की उस पवित्र गुफा में तीन पिंडियों के सामने शीश झुकते समय श्रद्धालु जिस शक्ति का स्मरण करता हैं, उसका वास्तविक विस्तार उसके अपने जीवन में दिखाई देना चाहिए। यदि दर्शन के बाद मन में करुणा बढे, विश्वास में विनम्रता आए और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस जागे, तभी शक्ति की आराधना अपने व्यापक अर्थ में सफल होगी। माता के दरबार से लौटता श्रद्धालु अपने साथ प्रसाद ही नहीं, एक संकल्प भी लेकर लौटे— अपने भीतर की शक्ति को पहचानने, अपने कर्तव्यों को निभाने और दूसरों के जीवन में आशा का दीप जलाने का संकल्प। यही माता वैष्णो देवी की आराधना का सबसे सुंदर आध्यात्मिक संदेश है।

तीन पिंडियां, तीन महाशक्तियां
महाकाली : साहस, निर्भयता और अन्‍याय के प्रतिरोध की प्रतीक। जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा देती हैं।
महालक्ष्मी : समृद्धि, संतुलन, संरक्षण और लोककल्याण की प्रतीक। जीवन में संसाधनों के सदुपयोग का संदेश देती हैं।
महासरस्वती : ज्ञान, विवेक, विद्या और सृजनशीलता की प्रतीक। सही निर्णय लेने और विवेकपूर्ण आचरण की प्रेरणा देती हैं।

तीन किलोमीटर दूर भैरव घाटी की ओर जा गिरा। लेकिन कथा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसके बाद सामने आता है। भैरवनाथ ने मृत्यु के समय अपनी भूल स्वीकार करते हुए क्षमा मांगी। माता ने उन्हें क्षमा प्रदान की और वरदान दिया कि उनके दर्शन पूर्ण नहीं माने जाएंगी। यही कारण है कि भवन में माता के दर्शन के बाद श्रद्धालु भैरवनाथ मंदिर भी जाते हैं।

इस प्रसंग का आध्यात्मिक संदेश है कि शक्ति का उद्देश्य केवल दुष्टता का अंत करना नहीं, बल्कि पश्चाताप करने वाले को सुधार और मुक्ति का अवसर देना भी है। अहंकार का अंत होने पर ही आत्मबोध का मार्ग खुलता है।

बाणगंगा से चरणपादुका तक, आस्था के पड़ावों की अपनी कथा
माता वैष्णो देवी की यात्रा में हर पड़ाव अपने भीतर एक धार्मिक मान्यता और आध्यात्मिक संकेत समेटे हुए है। बाणगंगा के बारे में प्रचलित कथा है कि माता के साथ चल रहे हनुमानजी को व्यास लग्नी तो माता ने अपने धनुष से बाण चलाकर पर्वत से जलधारा प्रकट की। इसी से इस स्थान का नाम बाणगंगा पड़ा। यहां स्नान और जल के दर्शन को श्रद्धालु पवित्र मानते हैं। इसके बाद चरणपादुका का स्थान आता है। लोकमान्यता के अनुसार, यहां माता के चरणचिह्न विद्यमान हैं। यह पड़ाव श्रद्धालुओं को यात्रा के उद्देश्य और अपनी आस्था के प्रति समर्पण का स्मरण कराता है। आगे अर्धकुंवारी स्थित है, जहां गर्भजून गुफा की धार्मिक मान्यता विशेष है। इसके बाद संझीछत का क्षेत्र आता है और फिर भवन की ओर यात्रा आगे बढ़ती है।

लाल नेहरू ) के घर से ज्यादा ख्याल हमारा कोई और नहीं कर सकता। यह हुआ। जब डॉ लोहिया काआपरेशन हुआ और वे हॉस्पिटल में थे तो पंडित नेहरू की बेटी इंदिरागांधी जो उस समय प्रधान मंत्री थी ,ने सबसे ज्यादा देख बाल किया। वे नांग सुबह शाम श्रीमती गांधी उपलें देखने विलिंगरुन हकीम इफ्तेल जाती रही और उनकी मृत्यु के बाद अर्थों को कंधा देने वालों में सबसे पहले थी ।

नेहरू से टकराते थे विचारों से , कार्यपद्धति से, यहां तक कि उनके खिलाफ चुनाव भी लड़ते । एक बार अपने लोंगो के बीच बैठे थे अचानक एक सवाल पूछ बैठे – मान लो हम बीमार हो जायें तो कौन हमारी अच्छी देखभाल करेगा? सब ने अलग अलग राय दी। डॉ लोहिया सुनते रहे। और सब को नकार कर जो बात उन्होंने कही उस पर सब हैरान । डॉ साहब ने कहा – पंडित जी ( पंडित जवहार

## मुंबई में भी शुरु होगी पेट केयर शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था : मंगलप्रभात लोढा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। पुणे में हाल ही में पेट केयर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग संस्थान की शुरुआत की गई है। इसी तरह पर मुंबई में भी पेट केयर शिक्षा एवं प्रशिक्षण शुरू करने के लिए कौशल विकास विभाग के मंत्री मंगलप्रभात लोढा ने पलट की है। इसके साथ ही राज्य की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) में पेट केयर से संबंधित विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। मुंबई में पेट केयर शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शुरू करने की दिशा में पशुप्रेमियों और नागरिकों से सुझाव एवं आपत्तियाँ आमंत्रित की जा रही हैं। इसके लिए मंत्री मंगलप्रभात लोढा के अधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर गूगल फॉर्म का लिंक उपलब्ध कराया गया है। मंत्री लोढा ने नागरिकों से अपील की है कि, लिंक पर जाकर अपने विचार, सुझाव एवं आपत्तियाँ दर्ज करें। मंत्री मंगलप्रभात लोढा ने कहा कि पेट केयर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग पहल के माध्यम से पालतू पशुओं की देखभाल, स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक, वैज्ञानिक एवं नैतिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पेट केयर क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवक-युवतियों, इस क्षेत्र में पहले से कार्यरत पेशेवरों और पालतू पशुओं का पालन-पोषण करने वाले नागरिकों के लिए विभिन्न मायताप्राप्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने की योजना है। इस प्रशिक्षण में पेट हैंडलिंग, डॉग वॉकिंग, पेट सिटिंग, पेट ग्रूमिंग तथा पालतू पशुओं के लिए आवास एवं देखभाल सुविधाओं के प्रबंधन जैसे विभिन्न विषय शामिल होंगे। व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके तहत आधुनिक सुविधाओं में प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से विद्यार्थियों को आवश्यक कौशल सिखाए जाएंगे। इसके अलावा, पालतू पशुओं के स्वास्थ्य, पालन-पोषण और कल्याण से संबंधित ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी पेट पैरेंट्स के लिए उपलब्ध कराने की योजना है। पेट केयर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इकोसिस्टम पालतू पशुओं की देखभाल और पशु कल्याण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से पालतू पशुओं को विश्वस्तरीय सेवाएँ और उचित देखभाल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कुशल जनशक्ति तैयार करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इस क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। पालतू पशुओं के जीवन स्तर में सुधार लाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करने वाले लोगों के कौशल और व्यावसायिक क्षमता का विकास करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। मुंबई में भी ऐसा संस्थान शुरू करने की दिशा में पशुप्रेमियों और नागरिकों के सुझावों एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए आगे की योजना तैयार की जाएगी, ऐसा मंत्री मंगलप्रभात लोढा ने स्पष्ट किया।

## नाबालिग से यौन अपराध के दोषी को 20 साल की कठोर कैद, एक लाख रुपये का जुर्माना



मीरा-भायंदर, वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। वसई पुलिस स्टेशन की सीमा में नाबालिग लड़की के साथ यौन अपराध के मामले में माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय, वसई ने आरोपी लॉरेंस जॉन राजू मट्टा (58) को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर कुल एक लाख रुपये का जुमाना भी लगाया है। यह फैसला पुलिस द्वारा की गई जांच, चिकित्सा साक्ष्यों, पीड़िता के बयान और अन्य गवाहों की गवाही के आधार पर सुनाया गया। 2020 में सामने आया था मामला पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 4 नवंबर 2020 को वसई पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित एक आवासीय सोसायटी में स्थानीय निवासियों ने एक नाबालिग लड़की को रोते और डरे हुए देखा था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने ठाणे पश्चिम स्थित एक सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी। पीड़िता से बातचीत के बाद संगठन के प्रतिनिधियों की शिकायत पर वसई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पीड़िता की चिकित्सकीय जांच में यौन अपराध से संबंधित साक्ष्य सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी। उपलब्ध साक्ष्यों और चिकित्सा निष्कर्षों के आधार पर मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के संबंधित प्रावधान जोड़े गए। पुलिस ने जुटाए चिकित्सा और परिस्थितिविज्ञान्य साक्ष्य मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पीड़िता को आवश्यक चिकित्सा उपचार और परामर्श उपलब्ध कराने के लिए संबंधित सामाजिक संगठन को मदद दी गई। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज करने के साथ ही चिकित्सा रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच के लिए आवश्यक नमूने, स्थानीय निवासियों के बयान और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों की गवाही सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए।

जांच पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों को महत्वपूर्ण माना गया। अदालत ने सुनाई अलग-अलग धाराओं में सजा प्राप्त जानकारी के अनुसार, विशेष मामला क्रमांक 188/2020 की सुनवाई माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय, वसई में हुई। माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्रीमती ए. एच. काशीकर ने 4 अक्टूबर 2026 को आरोपी लॉरेंस जॉन राजू मट्टा को दोषी ठहराते हुए विभिन्न धाराओं के तहत सजा सुनाई अदालत द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 के तहत 20 वर्ष का कठोर कारावास और 25 हजार रुपये का जुमाना, धारा 6 के तहत 20 वर्ष का कठोर कारावास और 50 हजार रुपये का जुमाना तथा एक अन्य संबंधित प्रावधान के तहत पांच वर्ष का कठोर कारावास और 25 हजार रुपये का जुमाना निर्धारित किया गया। जुमाना अदा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त सजा का भी प्रावधान किया गया है।

ऑडिओ हियरिंग सॉल्यूशंस और डब्ल्यूएसए ने पटना, बिहार में बेस्टसाउंड सेंटर 3.0 की शुरुआत की; बिहार में विश्वस्तरीय हियरिंग केयर उपलब्ध कराई

मुंबई/पटना। ऑडिओ हियरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने हियरिंग केयर क्षेत्र की वैश्विक अग्रणी कंपनी डब्ल्यूएस ऑडियोलॉजी के सहयोग से आज पटना, बिहार में अपने नए 'बेस्टसाउंड सेंटर 3.0' के शुभारंभ की घोषणा की। बीएससी 3.0, डब्ल्यूएसए की बेस्टसाउंड अवधारणा का नवीनतम रूप है, जो बिहार के लोगों के लिए उपभोक्ता-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ हियरिंग केयर लेकर आया है। यह भारत में हियरिंग केयर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इसे केवल चिकित्सीय (क्लिनिकल) न रखकर अधिक व्यक्तिगत अनुभव बनवाता है। बीएससी 3.0 के उद्घाटन के साथ ही, एक सामुदायिक पहल के तहत डब्ल्यूएसए और सूर्योदय फाउंडेशन ने पटना के 75 जरूरतमंद निवासियों को 150 हियरिंग एड्स (कान की मशीनें) दान कीं।

## अस्पतालों के निर्माण कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समय में पूरा करें : संजय काटकर

- ♦सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग आयुक्त ने मनोर ट्रॉमा केयर अस्पताल व पालघर जिला अस्पताल के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण
- ♦स्वास्थ्य सेवाओं की भी की समीक्षा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त संजय काटकर ने रविवार को जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मनोर स्थित ट्रॉमा केयर अस्पताल और पालघर जिला अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण

कार्यों में आ रही तकनीकी बाधाओं को दूर कर दोनों अस्पतालों का निर्माण निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

आयुक्त संजय काटकर ने मनोर ट्रॉमा केयर अस्पताल और पालघर जिला अस्पताल के निर्माण स्थलों का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर कार्यों की वर्तमान स्थिति और प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सोसायटी, मुंबई के कार्यकारी अभियंता विश्वजीत राऊत एवं राहुल शेवाले तथा पालघर के उपअभियंता अमित सोनवणे ने निर्माण कार्यों से



संबंधित तकनीकी पहलुओं, अब तक हुई प्रगति और सामने आ रही समस्याओं की जानकारी दी। आयुक्त ने निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों में आने वाली बाधाओं को

लाई जाये, ताकि दोनों अस्पताल निर्धारित समय में तैयार हो सकें। आयुक्त संजय काटकर ने कहा कि इन अस्पतालों के शुरू होने से जिले के नागरिकों को बेहतर और अधिक सक्षम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसलिए निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करने और निर्धारित समय सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों के निरीक्षण के बाद जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने जिले में संचालित

## मोबाइल और डिजिटल युग में वाचन संस्कृति को जीवित रखना गौरवपूर्ण कार्य: महापौर नारायण चौधरी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। वर्तमान कंप्यूटर, मोबाइल और डिजिटल युग में भी वाचन संस्कृति को जीवित रखने का कार्य भिवंडी की वाचन मंदिर संस्था कर रही है। यह कार्य सभी के लिए प्रेरणादायी और गौरवपूर्ण है। यह प्रतिपादन भिवंडी के महापौर नारायण चौधरी ने वाचन मंदिर भवन के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित स्मृतिगंध-2 स्मारिका के विमोचन समारोह में किया। कार्यक्रम में मंच पर संस्था के अध्यक्ष सुधीर सिंगासणे, प्रभाग समिति क्रमांक पांच के सभापति एडवोकेट वैभव भोईर तथा रोटी क्लब भिवंडी के अध्यक्ष एवं उद्योगपति प्रदीप (पप्पू) राका उपस्थित थे। समारोह में शहर के बड़ी संख्या में पाठकों ने भाग लिया। महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग शुरू हो चुका है। तकनीकी और सामाजिक बदलावों



का व्यापक प्रभाव समाज व्यवस्था के साथ-साथ वाचन संस्कृति और पुस्तकालयों पर भी पड़ा है। इसके बावजूद भिवंडी की वाचन मंदिर संस्था जिस तरह अपनी गतिविधियां संचालित कर रही है, वह गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि वाचन मंदिर संस्था पिछले 163 वर्षों से अधिक समय से शहर में कार्यरत है, जबकि संस्था के वर्तमान भवन को

50 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर प्रकाशित स्मृतिगंध-2 स्मारिका के माध्यम से संस्था का इतिहास आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा। महापौर ने संस्था की आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए महानगरपालिका के माध्यम से व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। संस्था के अध्यक्ष सुधीर सिंगासणे ने प्रस्तावना

में वाचन मंदिर के इतिहास और संचालन के दौरान आने वाली सरकारी एवं आर्थिक समस्याओं की जानकारी दी। प्राजक्ता कुलकर्णी ने स्मृतिगंध-2 स्मारिका के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर वर्ष 1976 की कार्यकारिणी के सदस्य शरद कानिटकर, आनंद चिपलूकर, सेवक दीपक वाघ तथा मीरा शिंदे जोग को अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारी किशोर नागावेकर, उज्ज्वल कुंभार, मिलिंद पलसुले, यशवंत कुटे, मनीष कानिटकर, शंथपाल प्रणाली खोडे, सहस्रथपाल शंभलाका मदन, शीतल तागे और शैला परब ने विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन राधा जोशी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन किशोर नागावेकर ने किया।

## कानून सबके लिए एक समान, अवैध निर्माणों पर हो सख्त कार्रवाई: मंत्री प्रताप सरनाईक

- ♦चेना-वसोर्वा में आदिवासियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई का मामला; 7/11 होटल एंड क्लब और सी एंड रॉक होटल के कथित अवैध निर्माणों की भी निष्पक्ष जांच कर करवाई करने की मांग

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के चेना-वसोर्वा क्षेत्र में आदिवासी परिवारों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो को लेकर राजनीतिक एवं प्रशासनिक चर्चा तेज हो गई है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कथित तौर पर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा है कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए। यदि किसी निर्माण में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित व्यक्ति की राजनीतिक या सामाजिक हैसियत देखे बिना नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चेना-वसोर्वा क्षेत्र में स्थानीय भूस्वामियों और आदिवासी परिवारों के घरों पर हुई कार्रवाई के संदर्भ में मंत्री सरनाईक ने तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त प्रयंका राजपूत के समक्ष यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कथित तौर पर सवाल किया था कि यदि स्थानीय नागरिकों के निर्माणों पर बुलडोजर चलाया जा सकता है, तो विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़े बताए जा रहे 7/11 होटल एंड क्लब तथा सी एंड रॉक होटल के कथित अवैध निर्माणों के संबंध में भी नियमों के अनुसार कार्रवाई क्यों नहीं होनी



चाहिए। वायरल वीडियो को लेकर अलग-अलग दावों पर चर्चा इस पूरे मामले से संबंधित नगर निगम अधिकारियों के साथ बातचीत का एक पुराना वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो को लेकर विभिन्न प्रकार के दावे किए जा रहे हैं। मंत्री सरनाईक से जुड़े पक्ष का कहना है कि वीडियो में सामने आए घटनाक्रम और तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त प्रयंका राजपूत के वसई-विरार महानगरपालिका में उपायुक्त पद पर हुए तबादले को आपस में जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। इस पक्ष के अनुसार, दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं और प्रशासनिक तबादले के पीछे के कारणों का आकलन संबंधित अधिकारिक दस्तावेजों एवं तथ्यों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय पूरे घटनाक्रम की तथ्यात्मक जांच आवश्यक है। आदिवासियों के अधिकार और पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा चेना-वसोर्वा क्षेत्र में मैंग्रोव वन, पर्यावरण संरक्षण, भूमि संबंधी विवाद और आदिवासी परिवारों के अधिकार महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। ऐसे में संबंधित निर्माणों की वैधानिक स्थिति, भूमि के स्वामित्व, पर्यावरणीय नियमों के

अनुपालन और स्थानीय निवासियों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच सक्षम प्राधिकरणों द्वारा की जानी चाहिए। मंत्री सरनाईक के बताए गए रुख के अनुसार, यदि 7/11 होटल एंड क्लब या सी एंड रॉक होटल के निर्माण में किसी स्तर पर की अनियमितता अथवा नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो प्रशासन को कानून के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए। इसी तरह, आदिवासी परिवारों के घरों पर की गई कार्रवाई की वैधानिकता और प्रभावित परिवारों के अधिकारों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए।

तथ्यों के आधार पर हो प्रशासनिक कार्रवाई इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या संबंधित निर्माणों पर कार्रवाई के दौरान समान मानदंड अपनाए गए और क्या सभी मामलों में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। इसका उत्तर आधिकारिक दस्तावेजों, भूमि अभिलेखों, संबंधित विभागों की रिपोर्ट और सक्षम प्राधिकरणों की जांच से ही सामने आ सकता है। मंत्री प्रताप सरनाईक के कथित रुख का सार यही है कि कानून का पालन सभी को करना चाहिए और किसी भी व्यक्ति को नियमों से ऊपर नहीं माना जा सकता। प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि स्थानीय भूस्वामियों और आदिवासी परिवारों को न्याय मिल सके। फिलहाल, संबंधित होटलों के निर्माणों की वैधानिक स्थिति और वायरल वीडियो से जुड़े विभिन्न दावों पर आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर स्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है।

## अग्रवाल सेवा समिति ने धूमधाम से मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अग्रवाल सेवा समिति, भिवंडी द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, सेवा, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों की झलक देखने को मिली। समारोह के मुख्य अतिथि अंधेरी स्थित आर.वी.जी. राजस्थान विद्यार्थी गृह के चेयरमैन सुनील गोयल ने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और सामाजिक समरसता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, संस्कार और समाजसेवा को प्राथमिकता देते हुए जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी ओम सिंहोटीया



सहित मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया। वहीं, शैक्षणिक काम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और युवाओं के नाट्य मंचन ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक संदेश भी दिए गए, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। समारोह

की सफलता में समिति के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, समाजबंधुओं और आयोजन से जुड़े कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अग्रवाल सेवा समिति ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज की एकता, शिक्षा, सेवा और सांस्कृतिक विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

## ठाणे में सेक्स रैकेट का खुलासा, महिला एजेंट हिरासत में; दो युवतियों को रेस्क्यू किया गया

- ♦कलवा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एचटडीसी टीम की कार्रवाई; एक असिस्टेंट डायरेक्टर और शॉर्ट फिल्म में काम करने वाली अभिनेत्री को सुरक्षित निकाला

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे शहर में कथित रूप से संचालित सेक्स रैकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग सेल (एचटडीसी) की टीम ने एक महिला एजेंट को हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई के दौरान दो युवतियों को रेस्क्यू किया गया। इनमें एक असिस्टेंट डायरेक्टर और दूसरी शॉर्ट फिल्म में अभिनय करने वाली अभिनेत्री बताई जा रही है। पारसिक नगर में की गई कार्रवाईयात जानकारी के अनुसार, ठाणे शहर के कलवा पुलिस स्टेशन की सीमा में पारसिक नगर स्थित साई सागर एनक्लस होटल के पास यह कार्रवाई की गई। एचटडीसी की टीम ने कथित सेक्स रैकेट से जुड़ी गतिविधियों के संबंध में कार्रवाई करते हुए एक महिला एजेंट को हिरासत में लिया और दो युवतियों को सुरक्षित बाहर निकाला। पीटा एक्ट के



तहत कार्रवाई मामले में अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम यानी पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। रेस्क्यू की गई दोनों युवतियों के संबंध में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने और मामले में अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जा रही है पुलिस जांच जारी इस कार्रवाई को मानव तस्करी और देह व्यापार से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, मामले में आगे की कार्रवाई और आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच तथा आधिकारिक जानकारी के आधार पर ही स्पष्ट होगी।

## जिलास्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में डॉन बॉस्को स्कूल ने विद्यार्थियों ने जीता दोहरा खिताब

- ♦14 वर्ष से कम आयु के बालक और 17 वर्ष से कम आयु की बालिका वर्ग में हासिल किया प्रथम स्थान
- ♦छह में से पांच वर्गों में पालघर तहसील के विद्यालयों का दबदबा

पालघर(उत्तरशक्ति)। तारापुर विद्यामंदिर, बोईसर में आयोजित जिलास्तरीय विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता में डॉन बॉस्को स्कूल, बोईसर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो वर्गों में विजेता बनने का गौरव हासिल किया। स्कूल ने 14 वर्ष से कम आयु के बालक वर्ग तथा 17 वर्ष से

कम आयु की बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर दोहरा खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के छह वर्गों में से पांच वर्गों में पालघर तहसील के विद्यालयों ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इससे प्रतियोगिता में पालघर तहसील का दबदबा देखने को मिला। प्रतियोगिता के विजेता संघ अब मुंबई विभागीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला क्रोडा अधिकारी सुहास क्कनमाने, तारापुर विद्यामंदिर की मुख्याध्यापिका लिंडा जॉर्ज, अमृत घाडगे, मयूर कोल्हम, जिला क्रोडा समन्वयक आशिष पाटील तथा तहसील क्रोडा केंद्र प्रमुख पलसुले की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के

खिलाड़ी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बालक-बालिकाओं ने अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विजेता बनने के लिए टीमें को बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। डॉन बॉस्को स्कूल ने दो वर्गों में जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं अन्य वर्गों में भी पालघर तहसील के विद्यालयों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम में 14 वर्ष से कम आयु के बालक वर्ग में प्रथम स्थान डॉन बॉस्को स्कूल, बोईसर, द्वितीय स्थान शिरीन दिनियार स्कूल, डहाणू तथा तृतीय स्थान शिरीन दिनियार स्कूल, डहाणू



सांबरे इंग्लिश मीडियम स्कूल, झड़पोली, द्वितीय स्थान चिन्मया स्कूल, बोईसर तथा तृतीय स्थान शिरीन दिनियार स्कूल, डहाणू को मिला। 17 वर्ष से कम आयु के बालक वर्ग में प्रथम स्थान ए.ई.सी.एस., बोईसर, द्वितीय स्थान शिरीन दिनियार स्कूल, डहाणू तथा तृतीय स्थान वांगड स्कूल, वसई ने

हासिल किया। वहीं 17 वर्ष से कम आयु के बालिका वर्ग में प्रथम स्थान डॉन बॉस्को स्कूल, बोईसर, द्वितीय स्थान शिरीन दिनियार स्कूल, डहाणू तथा तृतीय स्थान ज्ञानमाता स्कूल, तलासरी ने अर्जित किया। 19 वर्ष से कम आयु के बालक वर्ग में प्रथम स्थान दांडेकर महाविद्यालय, पालघर,

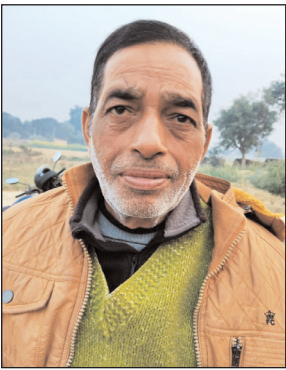
द्वितीय : के. एल. पोंदा महाविद्यालय, डहाणू तथा तृतीय स्थान ज्ञानमाता आदिवासी कनिष्ठ महाविद्यालय, झरी, तलासरी ने हासिल किया। वहीं 19 वर्ष से कम आयु के बालिका वर्ग में प्रथम स्थान तारापुर विद्यामंदिर, बोईसर तथा द्वितीय स्थान ज्ञानमाता कनिष्ठ महाविद्यालय, झरी, तलासरी को मिला। जिलास्तरीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने वाले खिलाड़ियों को अब मुंबई विभागीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस तरह की प्रतियोगिताओं से स्कूली स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा मिलने के साथ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का मंच मिलता है।

# जौनपुर में गला रेतकर ओमप्रकाश मिश्र की हत्या

**प्रियेश गुप्ता रूद्रा**  
जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 50 वर्षीय ओमप्रकाश मिश्र उर्फ पप्पू की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। उनका शव घर से करीब एक किलोमीटर दूर मिला। मृतक के गले पर धारदार हथियार से हमला किए जाने और सिर व चेहरे पर चोट के निशान होने की बात सामने आई है।

ओमप्रकाश मिश्र पूर्व प्रधान राजेंद्र मिश्र उर्फ रज्जन के छोटे भाई थे। शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तो परिवार में कोहराम मच गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने

## ◆ घर से एक किमी दूर मिला शव, ग्रामीणों में आक्रोश



शव उठाने से रोक दिया और मौके पर वरिष्ठ अधिकारी को बुलाने की

मांग करने लगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए सुजानगंज, महाराजगंज और बदलापुर थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, हत्या को लेकर गांव में नाराजगी का माहौल बना रहा।

सुजानगंज थानाध्यक्ष अमित पाण्डेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हत्या के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है।

फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच के बाद ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

# दुर्गा पंडाल में लगे टेंट के पाइप में उतरे करंट की चपेट में आने से बालक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के खटहरा गांव में दुर्गा पूजा पंडाल के पास करंट की चपेट में आने से सात वर्षीय बालक की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि पंडाल में लगाए गए टेंट के पाइप में बिजली का करंट उतर आया था। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में अफ-तफरी मच गई। मासूम की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। खटहरा गांव निवासी नीरज सरोज का सात वर्षीय बेटा रित्याश सरोज उर्फ कल्लू मुर्तजाबाद-बगथरी स्थित

माइक्रोटेक विद्यालय में एलकेजी का छात्र था। वह अपनी दो वर्षीय बहन से बड़ा और परिवार का इकलौता बेटा था। पिता नीरज सरोज महाराष्ट्र के मुंबई-नासिक क्षेत्र में एक डेयरी कंपनी में काम करते हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों के आंसू धमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में दुर्गा पूजा पंडाल लगाने की जिम्मेदारी गोल्ड टेंट हाउस को दी गई थी। पंडाल में टेंट का पाइप लगाते समय उसमें करंट उतरने की बात सामने आई है।

इसी की चपेट में आने से बालक की जान चली गई। हालांकि, हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। सूचना मिलने पर केराकत कोतवाली पुलिस के साथ चंदवक, जलालपुर और गौराबादशाहपुर थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना के बाद शव के अंतिम संस्कार और पोस्टमार्टम को लेकर परिजनों तथा ग्रामीणों में अलग-अलग मत सामने आए। कुछ लोग तत्काल अंतिम संस्कार करना चाहते थे, जबकि अन्य पोस्टमार्टम कराने के पक्ष में थे।

# खेतासराय पुलिस ने 24 घंटे के भीतर बस चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार; चोरी की बस बरामद

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र में बस चोरी की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी की गई बस को भी बरामद कर लिया है।

पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञापन के अनुसार, खेतासराय कस्बे के दीवारगंज रोड से बस चोरी होने के मामले में थाना खेतासराय में मुकदमा संख्या 230/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की।

पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन खेतासराय के पास से आरोपी अरविंद गौतम पुत्र इनरमन गौतम, निवासी बिहारी पुरवा, थाना बाँडी, जनपद बहराइच को गिरफ्तार कर



थाना खेतासराय जनपद जौनपुर

लिया। चोरी की गई बस संख्या UP62T5415 को शाहगंज पुलिस ने चेकिंग के दौरान पकड़ा था। आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध नहीं होने पर बस को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया था। बाद में बस को खेतासराय थाने लाकर दाखिल किया गया।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चंद्रशेखर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज प्रतिभा वर्मा के पर्यवेक्षण

तथा थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाठक, कांस्टेबल आशुतोष तिवारी और कांस्टेबल अमित चौहान शामिल रहे।

# पीयू की सांस्कृतिक संध्या में सुर-ताल और नृत्य का संगम, विद्यार्थियों ने मोहा मन

**कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा-विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए मिलेंगे बेहतर मंच**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में रविवार शाम

गायन, गिटार वादन और लोकनृत्य के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थ्य की गीत प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर किया, वहीं

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना भी है। संगीत, साहित्य और कला विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच देने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और ईश्विका सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो.



आयोजित सांस्कृतिक संध्या में संगीत, नृत्य और भक्ति की अनूठी छटा देखने को मिली। नवरात्र के पावन अवसर पर देवी गीत की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने

अर्जुन के गिटार वादन और अनुष्का के घूमर नृत्य को खूब सराहना मिली। पूर्व आइएएस अधिकारी अभिषेक सिंह और टीडी कॉलेज के संगीत शिक्षक डॉ. रंजेंद्र पाठक की प्रस्तुतियों ने भी समां बांध दिया।

अविनाश, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. अनु त्यागी, रजनीश सिंह और डॉ. कृष्णा सिंह समेत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

# मेडिकल कालेज जौनपुर में एम0बी0बी0एस0 बैच 2026 के छात्रों का 'व्हाइट कोट सेरेमनी' का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी00 कमल के दिशा निर्देश में प्रो0 साधना अजय, द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों की व्हाइट कोट सेरेमनी का सफल आयोजन आज बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में शैक्षणिक भवन के लेकर थिएटर में किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को चिकित्सा पेशे की मर्यादा, अनुशासन एवं सेवा भावना से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि व्हाइट कोट पहनना केवल सम्मान नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। चिकित्सा शिक्षा का यह दिवस विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जो उन्हें समाज सेवा के मार्ग पर अग्रसर करता है। 'सफेद कोट केवल एक परिधान नहीं, बल्कि यह दया,

संवेदना और मानवता की सेवा का प्रतीक है। चिकित्सक को सदैव अपने कर्तव्य को सर्वोच्च स्थान देना

अपने जीवन में ईमानदारी, अनुशासन और करुणा को सदैव सर्वोच्च स्थान दें। याद रखिए, एक

को चरक शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम का संचालन डा0 सोबिया खान पी0जी0 जूनियर रेजिडेंट एवं

रोगी सेवा के प्रति समर्पण भाव से अवगत कराया तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं चिकित्सा शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रो0 रूचिरा सेठी, डीन एकेडमिक, प्रो0 तबस्सुम यासमिन तथा चिकित्सा शिक्षक- प्रो0 भारती यादव, प्रो0 साधना अजय, डा0 विनोद कुमार, डा0 अनुज सिंह, डा0 मुदित चौहान, डा0 आदरश कुमार यादव, डा0 नवीन सिंह, डा0 विनोद वर्मा, डा0 चन्द्रभान डा0 पूजा पाठक, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 संजीव यादव, डा0 अवधेश कुमार गुप्ता, डा0 दीपिका शाव, डा0 अरविन्द कुमार यादव, डा0 पंकज कुमार, डा0 अर्चना चौधरी, डा0 प्रियंका सिंह, डा0 फरहत फातिमा, डा0 मतीन अहमद, डा0 मो0 सैयद उस्मान, डा0 प्रिति कुमारी, डा0 रितिका सिंह, डा0 रेफत जहान एवं नवप्रवेशित छात्र/छात्राएं व कर्मचारी उपस्थित रहे।



चाहिए।' जब आप यह कोट पहनते हैं, तो यह समाज के प्रति आपकी निष्ठा और रोगियों के प्रति आपकी संवेदनशीलता की प्रतिज्ञा है। चिकित्सा पेशा केवल ज्ञान अर्जित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को स्पर्श करने की कला है- जहाँ हर निर्णय, हर मुस्कान और हर शब्द किसी के जीवन में आशा की किरण बन सकता है। मैं आप सभी को यह संदेश देना चाहता हूँ कि

चिकित्सक का सबसे बड़ा पुरस्कार उसके मरीज की मुस्कान होती है। अपने माता-पिता, शिक्षकों और समाज के प्रति कृतज्ञ रहें, क्योंकि उनकी प्रेरणा और आशीर्वाद ही आपकी सफलता का आधार है। आप सभी को इस नए सफर के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ- आपका यह 'सफेद कोट' सदैव पवित्रता, सेवा और समर्पण का प्रतीक बना रहे।' प्रधानाचार्य द्वारा नवप्रवेशित छात्रों

डा0 साधना जूनियर रेजिडेंट, बायोकेमिस्ट्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में बायोकेमिस्ट्री विभाग की आचार्य प्रोफेसर साधना अजय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने व्हाइट कोट समारोह के महत्व पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए नवप्रवेशित एमबीबीएस विद्यार्थियों को चिकित्सा व्यवसाय की गरिमा एवं नैतिक मूल्यों एवं

## अंबारी की बेटी अंजली यादव ने टीजीटी गृह विज्ञान परीक्षा में पाई सफलता, परिवार में खुशी की लहर

अंबारी, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मेहनत और लगन के दम पर अंबारी की बेटी अंजली यादव ने टीजीटी गृह विज्ञान परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। अंजली यादव की सफलता पर क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी इस उपलब्धि को मेहनत, समर्पण और निरंतर प्रयास का परिणाम माना जा रहा है। अंजली की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उनकी उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में गर्व का माहौल है।

## बरसटी पुलिस ने चोरी की 24 साइकिलों के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसटी थाना पुलिस ने चोरी की साइकिलों की बरामदगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की



सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चोरी की 24 साइकिलें बरामद कीं। पुलिस प्रेस नोट के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमेश पाठक पुत्र पारसनाथ पाठक, निवासी ग्राम परियत, थाना बरसटी, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। यह कार्रवाई 12 अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण एवं गिरफ्तारी अभियान के तहत की गई।

अपराध के संबंध में थाना बरसटी में मुकदमा अपराध संख्या 383/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 317(2) और 317(5) में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अम्बरीश कुमार सिंह, राजकुमार वर्मा सहित थाना बरसटी की पुलिस टीम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

## केडीआर फाउंडेशन द्वारा आयोजित नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य कर रही सामाजिक संस्था केडीआर फाउंडेशन द्वारा हर महीने बादलापुर ताह सीला अंतर्गत कठार गांव में निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। 11 अक्टूबर, रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। संस्था के अध्यक्ष विनोद सिंह ने अपनी माता केवला देवी तथा पिता रामबहाल सिंह के नाम पर केडीआर फाउंडेशन की स्थापना की है। रविवार को हुए नेत्र परीक्षण और स्वास्थ्य शिविर में बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नितिन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। विनय सिंह, अशोक सिंह, ठाकुर अमरधारी सिंह, सौरभ सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, विकास सिंह, शिवम गुप्ता, सुंदरम गुप्ता और शिवा ने शिविर में आए हुए लोगों का स्वागत करते हुए, उनका परीक्षण कराया। यहाँ आए हुए मरीजों का नेत्र परीक्षण के बाद चयनित मरीजों को आवागमन और भोजन की सुविधा के साथ आर जे शंकरा अस्पताल, वाराणसी में इलाज कराया जाता है।



## सरपतहां पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सरपतहां थाना क्षेत्र में पुलिस ने चोरी की एक घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटर, बिक्री के 8 हजार रुपये, एक तमंचा, एक फ़िदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी और अपराध की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में सरपतहां पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए

आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जय प्रकाश मोर्य उर्फ जेपी मोर्य, पुत्र तीर्थराज मोर्य, निवासी शाहमठ (समोधपुर), थाना सरपतहां, जनपद

## आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटर, 8 हजार रुपये, तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद

जौनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना सरपतहां में चोरी और शस्त्र अधिनियम से संबंधित मुकदमे दर्ज होने की जानकारी दी है। आरोपी का पूर्व अपराधिक इतिहास भी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में थाना सरपतहां में मुकदमा संख्या

289/26 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा मुकदमा संख्या 312/26 शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 के तहत दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध शाहगंज थाने में वर्ष 2024 का एक अन्य मुकदमा भी दर्ज बताया गया है। गिरफ्तारी एवं बरामदगी की कार्रवाई में उपनिरीक्षक सत्यवीर यादव सहित कांस्टेबल पवन कुमार यादव, आम्र प्रकाश यादव, अनुपम गुप्ता तथा रिजर्व कांस्टेबल रामचंद्र, प्रिंस कुमार दुबे और मणिशंकर कुमार शामिल रहे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश करने के लिए भेज दिया।

## ड्रोन तकनीक से जुड़ेंगे पीयू के विद्यार्थी: कुलपति

## सेंसर, सही योजना से बढ़ेगी ड्रोन की उड़ान अवधि: डॉ. कल्पना जौहरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक की प्रायोगिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सी-डैक, नोएडा के सहयोग से पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैप का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव रहित विमान प्रणाली (यूपएस) एवं सेंसर के अनुप्रयोगों पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से उत्साह और मनोयोग के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस बूटकैप के माध्यम से विद्यार्थी ड्रोन बनाने और उसे उड़ाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय परिसर में एक साथ दस ड्रोन उड़ाए जा सकेंगे और जौनपुर प्रीमियर लीग जैसे मैचों का ड्रोन से व्यापक कवरेज संभव होगा। उन्होंने बताया कि बूटकैप के समापन पर परीक्षा आयोजित होगी और सफल विद्यार्थियों को ही

## ◆ विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय 'स्वयान' बूटकैप शुरू

प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

सी-डैक, नोएडा की साईटस्ट



'एफ' डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को ड्रोन की उड़ान से जुड़ी तकनीकी बारीकियों की जानकारी दी। उन्होंने ड्रोन के उड़ने की कार्यप्रणाली तथा उड़ान के दौरान ऊर्जा की खपत घटाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. जौहरी ने सरल भाषा में समझाया कि ड्रोन की स्थिर उड़ान, दिशा नियंत्रण और संतुलन कैसे बनाए रखा जाता है। उन्होंने बताया कि सही उड़ान योजना, सेंसर का

सिचर की भांति होता है, जिसमें अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रायोगिक कौशल पर विशेष बल दिया जाता है। कार्यक्रम में डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. दिवेन्दु मिश्रा, सुधीर सिंह, पूनम सोनकर, डॉ. रीतेश बरनवाल, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजय मोर्य, जया शुक्ल डॉ. नवीन चौरसिया सहित अन्य समिति सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

## जौनपुर में भाजपा महिला मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन, कांग्रेस सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह के नेतृत्व में सोमवार को सिहीपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर कांग्रेस सांसद प्रो. अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ लगे कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेतृत्व पर मामले में चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए रागिनी सिंह ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा सर्वोपरि है। जिला महामंत्री अनुपमा राय, किरण



मिश्र और अंजना सिंह ने भी मामले में कांग्रेस नेतृत्व से अपना रुख स्पष्ट करने तथा पीड़ित छात्राओं को न्याय दिलाने की मांग की।

इस दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने बैनर और तख्तियां लेकर नारेबाजी की। उन्होंने

चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति समेत पार्टी के कई पदाधिकारी, महिला मोर्चा की कार्यकर्ता और स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं।

## केराकत के नरहन गांव में चकबंदी लेखपाल पर किसानों को गाली देने और धमकी देने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम नरहन में चकबंदी प्रक्रिया को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। गांव के किसानों ने चकबंदी लेखपाल गुलाब यादव पर गाली-गलौज करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। किसानों के अनुसार, चकबंदी से संबंधित बातचीत के दौरान लेखपाल गुलाब यादव ने कथित तौर पर किसानों को अपशब्द कहें और धमकी देते हुए कहा कि किसानों को मिट्टी में मिला देंगे। आरोप है कि बातचीत के दौरान अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर भी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। इस घटना

से गांव के किसानों में नाराजगी की स्थिति बताई जा रही है। किसानों का कहना है कि चकबंदी जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में अधिकारियों और कर्मचारियों को किसानों के साथ समानजनक व्यवहार करना चाहिए तथा उनकी समस्याओं को नियमानुसार सुनना चाहिए। अब किसानों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोप सही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। हालांकि, इस मामले में लेखपाल गुलाब यादव का पक्ष और प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी प्राप्त नहीं हुई है।

**BAJAJ** **ए. एम. बजाज**



प्रा. अब्दुल माजिद | ९ भाती कलां, गुरेती रौड, जौनपुर- 222139 | ९621032024, 9651316060, 962139686

**फ्रांसीसी गणराज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'लेज्यॉ द'ऑनर' के नाइट की उपाधि से सम्मानित होंगे सुनील भारती मित्तल**

नई दिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम एमैनुएल मैक्रों ने राष्ट्रीय सम्मान हूलेज्यॉ द'ऑनर' के नाइट की उपाधि से सम्मानित करने की घोषणा की है। नेपोलियन बोनापार्ट ने वर्ष 1802 में 'लेज्यॉ द'ऑनर' की स्थापना की थी। यह फ्रांसीसी गणराज्य द्वारा दिए जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। सुनील भारती मित्तल को भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उनके दीर्घकालिक प्रयासों तथा दूरसंचार और डिजिटल अवसरचना के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए यह सम्मान दिया गया है। इस घोषणा पर फ्रांस के राजदूत थिएरी मातू ने कहा, रसुनील भारती मित्तल वर्ष 1992 में एयरटेल के शुरूआती दिनों से ही तीन दशक से अधिक समय से फ्रांस के मित्र रहे हैं। उन्होंने दशकों से लगातार इन संबंधों को मजबूत किया है और यह दिखाया है कि फ्रांसीसी और भारतीय कारोबारी प्रयास मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। आज वह यूटेलसैट के उपाध्यक्ष के रूप में इन संबंधों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है, जब हमारे दोनों देश अंतरिक्ष और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें 'लेज्यॉ द'ऑनर' प्रदान करके फ्रांसिस गणराज्य के राष्ट्रपति एक ऐसे उल्लेखनीय करोबारी नेता को सम्मानित कर रहे हैं, जिन्होंने भारत में फ्रांस को एक स्थायी साझेदार बनाने में योगदान दिया है। इस सम्मान पर सुनील भारती मित्तल ने कहा, हूफ्रांसीसी गणराज्य द्वारा दिए गए इस गरिमापूर्ण सम्मान से मैं अत्यंत भावुक और अभिभूत हूँ। फ्रांस के साथ मेरा जुड़ाव 1992 में एयरटेल की स्थापना के समय शुरू हुआ था।

## टोंबो इमेजिंग इंडिया लिमिटेड का IPO 15 अक्टूबर से खुलेगा



मुंबई। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कंपनी टोंबो इमेजिंग इंडिया लिमिटेड (Tonbo Imaging India Limited) अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निगम (IPO) गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 को निवेशकों के लिए खोलेगी। कंपनी ने आईपीओ के लिए रु. 665 से रु. 700 प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू रु. 2 है। कंपनी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, एंकर निवेशकों के लिए बोली लगाने की तारीख बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। वहीं, आईपीओ में निवेश के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख

सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 होगी। टोंबो इमेजिंग इंडिया लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (OFS) है। इसके तहत कुल 1,21,74,046 इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। इसका अर्थ है कि इस इश्यू के माध्यम से कंपनी नए शेयर जारी करके सीधे पूंजी नहीं जुटा रही है, बल्कि मौजूदा शेयरधारक अपने शेयरों की बिक्री करेंगे। बेंगलुरु स्थित टोंबो इमेजिंग इंडिया लिमिटेड रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में काम करने वाली एक वैश्विक मूल उपकरण निमातां (OEM) कंपनी है। कंपनी निगमनी, टोही, लक्ष्य निर्धारण और नियंत्रण प्रणालियों के लिए सेंसर, प्रोसेसिंग, संचार और गाइडेंस सिस्टम डिजाइन एवं विकसित करती है। कंपनी के उपग्रह पोर्टफोलियो में थर्मल इमेजिंग कोर, वेपन साइट्स, हैंडहेल्ड थर्मल इमेजिंग बाइनोक्युलर, टारगेटिंग सिस्टम,

## खेल प्रतिभाओं को निखारने पर जोर, खिलाड़ियों से रूबरू हुए खेल मंत्री



-सुरेश गांधी  
वाराणसी काशी की धरती पर खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने की दिशा में सिगरा स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सोमवार को केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने केंद्र का दौरा कर खेल अवसरचना, प्रशिक्षण सुविधाओं और खिलाड़ियों की तैयारियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों से संवाद कर खेल प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा प्रतिभाओं के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दौरे के दौरान उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद रहे। दोनों मंत्रियों ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं

वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रशिक्षण, खिलाड़ियों की क्षमता के अनुरूप तैयारी और बेहतर खेल संस्कृति विकसित करने को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। डॉ. मांडविया ने देश में खेल संस्कृति को व्यापक बनाने में फिट इंडिया जैसे अभियानों की भूमिका पर भी जोर दिया। खेलों को जनभागीदारी से जोड़ने और युवाओं को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करने की दिशा में ऐसे अभियान महत्वपूर्ण हैं। खेल प्रतिभाओं को शुरूआती स्तर से प्रोत्साहन मिलने पर देश को भविष्य के लिए बेहतर खिलाड़ी तैयार करने में मदद मिल सकती है। इस अवसर पर साई के क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रभारी आत्मा प्रकाश, निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव सिंह, उप निदेशक शुभांशु द्विवेदी सहित प्रशिक्षक, सहयोगी कर्मचारी और खिलाड़ी उपस्थित रहे।

### डॉ सचिन सिंह का जन्मदिन मनाया गया



मुंबई। शनिवार को कपिल क्लिनिक, केशव पाडा, पी के रोड पर डॉ सचिन सिंह (युवा ब्रिगेड अध्यक्ष ) को जन्मदिन को केक काटकर जन्मदिन को सम्मान करने के लिए समाज के वरिष्ठ, सामाजिक प्रतिष्ठित लोगों उपस्थित रहे। बॉरेंद्र पाठक,कपिल सिंह राजकुमार यादव, राजु श्रीवास्तव, योगेंद्र श्रीवास्तव, सुरेंद्र मिश्र, राकेश मिश्रा, एडवोकेट शरीफ खान, राजेश सिंह, अविनाश पाठक डॉ अनिल चाणक्य,डॉ गिरी, डॉ गणेश जायसवाल,डॉ सुनील मिश्रा, डॉ जितेंद्र पवार, डॉ दीपक सिंह अजय पटेल, मोहित सिंह, रवि बरनवाल, सुनील यादव, विजय यादव, दया शंकर पाल, मैथु चेरियन, अजित सिंह, नरेंद्र सिंह, राजकुमार सिंह, अमित पाठक,नरेंद्र सिंह इत्यादि लोग अपने साथियों के साथ उपस्थित रहकर इनको उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए, जन्मदिन की शुभकामनायें प्रदान की।

### डॉ. हेमंत विष्णु सावरा संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल



पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के लिए भारत सरकार के 20 सांसदों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने की जानकारी सामने आई है। यह सत्र 19 से 23 अक्टूबर 2026 तक न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाला है। इस प्रतिनिधिमंडल में स्थान मिलने को पालघर जिले और महाराष्ट्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विदेश मंत्रालय के माध्यम से भेजे जाने वाले इस प्रतिनिधिमंडल में देश के विभिन्न क्षेत्रों के चयनित सांसद शामिल होंगे। इस अंतरराष्ट्रीय दौरे के दौरान वैश्विक मुद्दों, नीतिगत विषयों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित चर्चाओं एवं बैठकों में भारत का पक्ष रखने का अवसर मिलेगा।

### भजनों की स्वर लहरियों से गूँजा विश्वनाथ धाम, मां ब्रह्मचारिणी के दरबार में उमड़े भक्त

-सुरेश गांधी  
वाराणसी।शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को काशी में आस्था और संस्कृति के विविध रंग दिखाई दिए। दुर्गाघाट स्थित मां ब्रह्मचारिणी मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, वहीं श्री काशी विश्वनाथ धाम के मंदिर चोक (शंकराचार्य चौक) में भजनों और नृत्य की प्रस्तुतियों ने भक्तिमय वातावरण को सुरों और भावों से भर दिया। मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन के लिए भोर से ही भक्त मंदिर पहुंचने लगे। मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का क्रम शुरू हुआ। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की। उधर, विश्वनाथ धाम में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में भजन गायिका दिव्या दुवे और उनके सह कलाकारों ने भक्ति गीतों से वातावरण को भावमय बनाया। भजन गायक सनी मिश्र की प्रस्तुतियों ने भी श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर किया। मांडवी सिंह के नृत्य समूह ने मनोहारी प्रस्तुति से भारतीय नृत्य परंपरा की छटा बिखेरी। कार्यक्रम का संचालन मीनाक्षी दीक्षित ने किया। नवरात्र के प्रत्येक दिन आयोजित हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन-पूजन के साथ भारतीय कला और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। काशी में देवी आराधना, सुरों की साधना और नृत्य की अभिव्यक्ति ने पर्व की आध्यात्मिक अनुभूति को और व्यापक बनाया।

### वॉल्वो कार इंडिया ने लॉन्च की अपनी पहली सॉफ्टवेयर डिफाइनड व्हीकल

मुंबई। वॉल्वो कार इंडिया ने अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक लज्जरी फ्लैगशिप एसयूवी ईएक्स90 को आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। इसकी कीमत 1.26 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। छह सीटों वाली इस लज्जरी फेमिली एसयूवी में स्कैंडेनेवियाई मिनिमलिस्ट डिजाइन, सुरक्षा के उन्नत मानक, शानदार ड्राइविंग रेंज और अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ईएक्स90 भारतीय बाजार में वॉल्वो की पहली सॉफ्टवेयर-डिफाइनड व्हीकल (एसडीवी) है। इसे वॉल्वो के नए एसपीए2 प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। वॉल्वो ईएक्स90 की बुकिंग शुरू कर दी गई है। कस्टमर एक्सपीरियंस और टेस्ट ड्राइव के लिए इसे नवंबर, 2026 से उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं इसकी डिलीवरी जनवरी, 2027 से शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा, 31 दिसंबर, 2026 तक की गई सभी बुकिंग पर एक इंट्रोड्यूसरी ऑफर भी दिया जा रहा है। इस ऑफर में 11 किलोवाट का वॉल्वो बॉक्स चार्जर और तीन साल का सर्विस पैकेज शामिल है। साथ ही, वॉल्वो कार्स की डीलरशिप की तरफ से तीन साल बाद गाड़ी की कीमत के 65% तक के बायबैक ऑफर भी मिल रहा है।दिल्ली में आयोजित 90-90 शो के दौरान वॉल्वो कार इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ज्योति महलोत्रा ने कहा, हूईएक्स90 की लॉन्चिंग ज्यादा इलेक्ट्रिक एवं सॉफ्टवेयर डिफाइनड पयूचर की दिशा में वॉल्वो कार इंडिया की प्रतिबद्धता का एक बड़ा पड़ाव है। यह फ्लैगशिप एसयूवी शानदार कम्फर्ट, तकनीक और बेहतरीन ड्राइविंग रेंज के साथ मोबिलिटी के एक नए दौर की शुरूआत करेगी। हमारा मानना है कि यह एक बेहतरीन लज्जरी फेमिली एसयूवी है, जो आपको मानसिक सुकून देगी। इसमें सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी गई है। साथ ही इससे स्वीडिश लज्जरी का बेहतरीन अनुभव भी मिलता है। वॉल्वो की अब तक की सबसे स्मार्ट गाड़ी के रूप में तैयार की गई ईएक्स90 में एनवीडिया ड्राइव प्लेटफॉर्म और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8155 कंफिगट टेक्नोलॉजी दी गई है। इसमें 14.5 इंच की सेंट्रल टचस्क्रीन है, जिसमें गूगल का एंड-टू-एंड इन्फोस्ट्रिम दिया गया है। इसमें गूगल मैप्स, यूट्यूब और अमेजन प्राइम वीडियो जैसे फीचर्स शामिल हैं।

## 15 अक्टूबर को खुलेगा जेटवर्क मैनुफैक्चरिंग बिजनेसिज लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई। जेटवर्क मैनुफैक्चरिंग बिजनेसिज लिमिटेड (कंपनी) का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) गुरुवार, 15 अक्टूबर, 2026 को खुलेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली लगाने की तारीख बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026 तय की गई है, जबकि आईपीओ सोमवार, 19 अक्टूबर, 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए प्रति इक्विटी शेयर 143 से 151 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया है। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य एक रुपये है। निवेशक न्यूनतम 99 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। इसके बाद 99 शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकेगी। निगम का न्यूनतम मूल्य अंकित मूल्य का 143 गुना और अधिकतम मूल्य 151 गुना है। इस आईपीओ में एक रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का 2,830 करोड़ रुपये तक का नया निगम (फ्रेश इश्यू) और मौजूदा शेयरधारकों की ओर से 14,45,25,036 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। नए निगम और बिक्री पेशकश को मिलाकर कुल

### आईआईएम बेंगलुरु को वैश्विक सूची में मिला 11वां स्थान, भारत में पहला

मुंबई। वैश्विक वित्तीय समाचार पत्र फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा वर्ष 2026 के मूल्यांकन में भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अध्यापन प्रकरणों के प्रभाव के मामले में संस्थान को विश्व के शीर्ष 50 प्रबंधन संस्थानों में 11वां स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि भारत में संस्थान पहले स्थान पर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स शैक्षणिक कार्यों के व्यापार और नीतिगत व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव को आंकने के लिए नई पद्धति विकसित कर रहा है। वर्ष 2026 की सूची चार क्षेत्रों - व्यवसायिक प्रकाशन, नीतिगत प्रभाव, बाहरी अनुदान राशि और अध्यापन प्रकरणों पर आधारित है। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान संस्थान के अध्यापन प्रकरणों का उपयोग लगभग 50 देशों के 680 उच्च शिक्षा संस्थानों ने किया है। इसमें शैक्षणिक संस्थान, प्राध्यापक, विद्यार्थी, कंपनियां और पेशेवर शामिल हैं। इस सूची के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय प्रकरण वितरकों के आंकड़ों को एक समान प्रणाली से जांचा गया है। संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर यू दिनेश कुमार ने कहा, शोध का मूल्य तब बढ़ता है जब वह व्यापार जगत की वास्तविक समस्याओं से जुड़ता है। हमारे संस्थान में हम अध्यापन प्रकरणों को शोध और कक्षा को जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं। संस्थान ने 2024 और 2025 दोनों वर्षों में 26-26 प्रकरण प्रकाशित किए। प्रकरणों की वृद्धि 2024 में 1,40,457 से बढ़कर 2025 में 1,84,879 हो गई, जो लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि है। सबसे अधिक बिकने वाले प्रकरणों में रेडबस, डब्ल्यूएसआईएस और बिगबास्केट से जुड़े प्रबंधन विषय रहे। इसके अलावा अपोलो अस्पताल, लॉग-9, नीलामी बाजार और जुगलबंदी जैसे विषयों पर आधारित प्रकरणों की भी भारी मांग रही।



आईपीओ का गठन होगा। यह निगम एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) और सेबी के आईसीडीआर नियमों के विनियमन 31 के तहत लाया जा रहा है। आईपीओ बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से पेश किया जाएगा। सेबी के आईसीडीआर नियमों के विनियमन 6(2) के अनुसार, निगम में पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए शुद्ध निगम का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध रहेगा। कंपनी बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) से परामर्श कर क्यूआईबी हिस्से का अधिकतम 60 प्रतिशत एंकर निवेशकों को विवेकाधीन आधार पर आवंटित कर सकती है। एंकर निवेशकों के लिए निर्धारित इस हिस्से में से 40 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। इसमें 33.33 प्रतिशत थ्रेलू म्यूचुअल फंड और 6.67 प्रतिशत जीवन बीमा कंपनियों तथा पेंशन फंड के लिए होगा। इस निगम के बुक रनिंग लीड मैनेजर कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, गोलडमैन सैक्स (इंडिया) सिक्वोरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, एवेंडस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल प्राइवेट लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्वोरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और पंतोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं।

## इनाल्सा ने लॉन्च किया कम्प्लीट स्लाइडिंग केयर

मुंबई। भारत के एक प्रमुख स्मॉल एल्लायंसेज ब्रांड और स्पेन के टॉर्स ग्रुप का हिस्सा इनाल्सा ने कम्प्लीट स्लाइडिंग केयर लॉन्च किया है। यह भारत का पहला 2-इन-1 स्टीडिंग गारमेंट स्टीमर और आयरन है, जिसमें कपड़ों को लटकाकर स्टीम करने और बोर्ड पर रखकर आयरन करने, दोनों की सुविधा एक ही डिवाइस में मिलती है। घर पर कपड़ों को प्रोफेशनल फिनिश देने के लिए तैयार इस डिवाइस में अलग स्टीम पंप और हैंडल पर डिजिटल डिस्प्ले दिया गया है। इसमें 7 हीटिंग लेवल और 3 स्टीम लेवल हैं, जिन्हें सिर्फ एक बटन दबाकर बदला जा सकता है। मैट ब्लैक फिनिश में आने वाले इनाल?सा कम्पलीट स्लाइडिंग केयर की कीमत 21,999 रुपये है, जबकि शुरूआती ऑफर में इसे 11,999 रुपये में खरीदा जा

सकता है। इसके साथ 2 साल की पूरी ग्वांटेन्टेड वारंटी दी जा रही है। बॉक्स में मेन यूनिट, अलग किया जा सकने वाला पानी का टैंक, ऊंचाई को एडजस्ट करने वाले डबल पोल, बेस, प्रोटेक्टिव कवर वाला आयरनिंग बोर्ड, आयरन होल्डिंग ब्रैकेट और आयरन प्रोटेक्टिव कवर शामिल हैं। यह उत्पाद अमेजन और फ्लिपकार्ट के साथ देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।आमतौर पर स्टीडिंग स्टीमर में टैंक से पानी बॉयलर तक पहुंचाने के लिए गुप्तत्वाकर्षण का इस्तेमाल होता है। इससे स्टीम कमजोर हो सकती है और कपड़े स्टीम करते समय बीच-बीच में पानी की छींटें या क्वावट की समस्या आ सकती है। कम्पलीट स्लाइडिंग केयर में अलग पंप दिया गया है, जो पानी को सीधे 2500ह बॉयलर तक पहुंचाता है और लगातार स्टीम देता है। यह डिवाइस सिर्फ 40 सेकंड में

इस्तेमाल के लिए तैयार हो जाता है। इसका 1.2 लीटर का पारदर्शी और अलग किया जा सकने वाला पानी का टैंक भरने और साफ करने में आसान है। इसमें एंटी-ड्रिप सुरक्षा, प्रेशर रिलीज सेफ्टी वाल्व और ऑटोमैटिक शट-ऑफ जैसी सुविधाएं भी हैं। इसकी खासियत कपड़ों को मिलने वाली फिनिश में नजर आती है। सामान्य स्टीमर कपड़ों की सिलवटें कम कर सकता है, लेकिन शर्ट के कॉलर या पैंट की क्रीज को अच्छी तरह पेश नहीं कर पाता। वहीं, सामान्य आयरन नाजुक या सजावटी कपड़ों के लिए हमेशा सही नहीं होता। कम्पलीट स्लाइडिंग केयर दोनों काम करती है। और फिर बोर्ड को सीधा करके कॉलर, कफ और प्लीट्स को अच्छी तरह प्रेश कर सकते हैं।

### अशोक लेलैंड ने वाहन फाइनेंस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तमिलनाडु मर्केटाइल बैंक से की साझेदारी

मुंबई। हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी और देश की अग्रणी कॉर्पोरेशन वाहन निमातां अशोक लेलैंड ने अपने ग्राहकों को वाहन फाइनेंस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तमिलनाडु मर्केटाइल बैंक (टीएमबी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां अशोक लेलैंड के ट्रक और बस खरीदने वाले ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुरूप वित्तीय समाधान उपलब्ध कराएंगी।

इस समझौते पर अशोक लेलैंड के वाइस प्रेसिडेंट-फाइनेंस नीलकांतन और तमिलनाडु मर्केटाइल बैंक के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं प्रमुख-क्रेडिट आर. आनंद गणेशन ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सली एस. नायर, कार्यकारी निदेशक एम. डी. विसेंट, उपाध्यक्ष-क्रेडिट विजया कुमार और अशोक लेलैंड के

प्रमुख-बिक्री फाइनेंस डी. एस. मधुसूदन उपस्थित रहे। अशोक लेलैंड के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी के. एम. बालाजी ने कहा, हमें तमिलनाडु मर्केटाइल बैंक के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। इससे हमारे ग्राहकों को आसानी से और सुविधाजनक तरीके से वित्तीय सहायता मिल सकेगी। कॉर्पोरेशन वाहन खरीदने और कारोबार बढ़ाने में वित्तीय सुविधा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह साझेदारी हमारे ग्राहक-केन्द्रित दृष्टिकोण को और मजबूत करेगी। हम बैंक के साथ दीर्घकालिक और सार्थक संबंध बनाने की उम्मीद करते हैं। अशोक लेलैंड की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं मध्यम और भारी कॉर्पोरेशन वाहन बिक्री की राष्ट्रीय प्रमुख माधवी देशमुख ने कहा कि ग्राहकों को आसानी से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना उनके कारोबार को आगे बढ़ाने में सहयोग देने का अहम हिस्सा है। इस साझेदारी से ग्राहकों को समय पर वित्तीय सहायता के अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों की परिचालन संबंधी जरूरतों के अनुरूप वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। तमिलनाडु मर्केटाइल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सली एस. नायर ने कहा, भारत के कॉर्पोरेशन वाहन उद्योग की अग्रणी कंपनी अशोक लेलैंड के साथ साझेदारी करके हम उत्साहित हैं। टीएमबी सरल प्रक्रियाओं और ग्राहक-केन्द्रित सेवाओं के साथ जरूरत के अनुरूप वित्तीय समाधान उपलब्ध कराएगा। बैंक के मजबूत नेटवर्क और अशोक लेलैंड की व्यापक बाजार पहुंच का लाभ उठाकर हमारा लक्ष्य कारोबार को बढ़ावा देना तथा परिवहन संचालकों और बेड़े के मालिकों के लिए बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

### पूरणिजा को जावेद हबीब के नए सैलून का शुभारंभ

पूरणिजा। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हेयर एंड ब्यूटी सैलून जावेद हबीब ने स्टेशन रोड खुशक्रीडा स्थित अपने नए प्रीमियम सैलून की शुरूआत की। इस लज्जरी सैलून में ग्राहकों को बाल, सौंदर्य, मेकअप, नाखून आदि जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सैलून का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्व प्रसिद्ध हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब, मास्टर फ्रेंचाइजी बिहार एवं झारखंड अरविन्द कुमार, फ्रेंचाइजी ओनर रतन पोद्दार, रिजु पोद्दार एवं बुवाई पोद्दार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब ने कहा कि पूरणिजा मौसम की शुरूआत के साथ बाल, त्वचा, सौंदर्य और मेकअप को लेकर लोगों की चिंताएं भी बढ़ जाती हैं। इस दौरान बालों की उचित देखभाल करना बेहद जरूरी है। अक्सर लोग बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, जो एक सामान्य गलती है। गर्म पानी सिर की त्वचा को रूखा कर सकता है, जिससे खुजली और डैंड्रफ की समस्या हो सकती है।

